GUJARAT UNIVERSITY
AHMEDABAD

GUJARAT UNIVERSITY
ESTD: 1949

Department of Hindi

PROGRAMME / COURSE STRUCTURE AND SYLLABUS
as per the Choice Based Credit System (CBCS)
designed in accordance with
Learning Outcomes-Based Curriculum Framework (LOCF)
of National Education Policy (NEP) - 2020
for Undergraduate Programme in HINDI

B.A. HONOURS IN HINDI

PROGRAMME

AS PER NEP – 2020

(Effective form June – 2025)

COURSE STRUCTURE OF

B.A. Honours in Hindi Programme

B.A. (Honours) HINDI (Major) SEMESTER: 6

Semester : 6									
Sr. No.	Course Category	Course Title	Course Credits			Exam Marks			
			Theory	Practical	Total	IM	EM	Total
1	Major Course DSC-1 DSC-C HIN-361 : 4	हिंदी भाषा, लिपि और अनुवाद	4	0	4	50	50	100
2	Major Course DSC-2 DSC-C HIN-362 : 4	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1950 तक)	4	0	4	50	50	100
3	Major Course DSC-3 DSC-C HIN-363 : 4	हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार लेखन	4	0	4	50	50	100

B.A (Honours) HINDI SEMESTER: 6

Programme/Class : Degree	Year : Third	Semester : Six
SUBJECT : HINDI		
Course Code : DSC-C HIN - 361	Course Title : हिंदी भाषा, लिपि और अनुवाद	
Course Credit : 4	Course Type : MAJOR - 1	
Teaching Hours : 60 (Hours)	Total Marks : 100 (50 + 50)	
Teaching Methodology : Lecture & Demonstration		

- **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective) :**

  1. भाषा के इतिहास की जानकारी प्रदान करना।
  2. छात्रों को अनुवाद की ओर अभिमुख करना।

- **पाठ्यक्रम की फलश्रुति (Outcome) :**

  1. छात्रों को भाषा के अभिलक्षणों के साथ इतिहास की जानकारी उपलब्ध होगी।
  2. छात्र का अनुवाद की ओर रुझान बढ़ेगा।

इकाई (Unit)	पाठ्यक्रम	
1	**भाषा और भाषा-परिवार**	
	1	भाषा का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
	2	भाषा के अभिलक्षण
	3	संसार के भाषा-परिवार
2	**हिंदी भाषा और लिपि**	
	1	हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ
	2	शब्द-समूह
	3	देवनागरी की लिपि का उद्भव और विकास
3	**अनुवाद : सैद्धांतिकी**	
	1	अनुवाद का अर्थ, स्वरूप और भेद
	2	अनुवाद का महत्त्व एवं अनुवादक के गुण
	3	अनुवाद की विभिन्न समस्याएँ
4	**अनुवाद : व्यावहारिक**	
	1	पाँच से छः वाक्य वाले परिच्छेद का गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद
	2	गुजराती कहावतें, मुहावरों का हिंदी रूप (चयनित 15-15 कहावत, मुहावरें)
	परीक्षा में अनुवाद के लिए परिच्छेद 05 अंक का तथा 05 अंक की कहावतें/मुहावरें।	

⁕ चयनित कहावतों का हिंदी रूप :

1. રાંડ્યા પછીનું ડાહ્યાપણ શા કામનું!____ अब पछताये होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत!

2. પછેડી એટલી સોડ ________________ तेते पाँव पसारिये जेती लम्बी सौर!

3. એક કાંકરે બે પક્ષી ________________ एक पंथ दो काज।

4. ઘર ફૂટે ઘર જાય _______________ घर का भेदी लंका ढाए!

5. અધૂરો ઘડો, છલકાય ઘણો ________ अधजल गगरी छलकत जाय।

6. દુકાળમાં અધિક માસ _____________ गरीबी में आटा गीला!

7. ગુરૂથી શિષ્ય સવાયો ____________ गुरु तो गुड़ ही रहे, चेला चीनी हो गया!

8. ચોરનો ભાઈ ઘંટીચોર ___________ जैसे साँपनाथ, वैसे नागनाथ।

9. દુઝણા ઢોરની લાત ભલી _________ दुधारू गाय की लात भली!

10. સત્તા આગળ શાણપણ નકામું _____ समरथ को नहीं दोष गुसाईं!

11. પુત્રનાં લક્ષણ પારણામાંથી જણાય __ होनहार बिरवान के होत चिकने पात।

12. ઘર આંગણે સહુ બહાદુરી બતાવે ___ अपनी गली में कुत्ता भी शेर।

13. ક્યાં રાજા ભોજ ને ક્યાં ગંગુ તેલી! __ कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली!

14. પ્રત્યક્ષને પ્રમાણની શી જરૂર! _____ हाथ कंगन को आरसी क्या!

15. બળિયાના બે ભાગ ____________ जिसकी लाठी, उसकी भैंस।

*** चयनित मुहावरों का हिंदी रूप :**

1. પોતાનો સ્વાર્થ સાધવો __________ अपना उल्लू सीधा करना।

2. ભાગ્ય ફૂટવું ___________________ करम फूटना।

3. કાન ભંભેરણી કરવી ____________ कान भरना।

4. થોડામાં ઝાઝું કહેવું _____________ गागर में सागर भरना।

5. કાચંડાની જેમ રંગ બદલાવો ______ गिरगिट की तरह रंग बदलना।

6. મીઠી મીઠી વાતો કરવી _________ चिकनी-चुपड़ी बातें करना।

7. દાઝ્યા પર ડામ દેવો ___________ जले पर नमक छिड़कना।

8. ખુશામત કરવી ________________ तलवे चाटना।

9. રફુચક્કર થઇ જવું _____________ नौ दो ग्यारह हो जाना।

10. રંગમાં ભંગ પડવો _____________ मजा किरकिरा होना।

11. ભાગી જવું ________________ छूमंतर हो जाना।

12. ઉઘાડે છોગે કહેવું ___________ डंके की चोट पर कहना।

13. ભારે ગપ હાંકવી ___________ धुएँ के बादल उडाना।

14. દાનત ખોટી થવી __________ लालच में पड़ना।

15. રાઈનો પહાડ બનાવવો ______ तिल का ताड़ बनाना।

- **सहायक संदर्भ ग्रंथ :**

1. हिंदी भाषा, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली।
2. हिंदी भाषा का इतिहास, डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. अनुवाद विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, दिल्ली-6।
4. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग, जी. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
5. अनुवाद : समस्याएँ एवं समाधान, डॉ. अर्जुन चव्हाण, अमन प्रकाशन, कानपुर।
6. https://gramodayachitrakoot.ac.in/wp-content/uploads/2019/11/4.-Hindi-Bhasha-Avam-Bhasha-Vigyan-1-240.pdf
7. https://www.jvbi.ac.in/dde/pdf/menu/distance/SLM/MA-Hindi-Final-Paper-IX.pdf

B.A (Honours) HINDI SEMESTER: 6

Programme/Class : Degree	Year : Third	Semester : Six
SUBJECT : HINDI		
Course Code : DSC-C HIN- 362	Course Title : आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1950 तक)	
Course Credit : 4	Course Type : MAJOR - 2	
Teaching Hours : 60 (Hours)	Total Marks : 100 (50 + 50)	
Teaching Methodology : Lecture & Demonstration		

⁕ भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) पर आधारित पाठ्यक्रम :

- **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective) :**
  1. भारतीय परंपरा के साथ आधुनिक हिंदी साहित्य का संबंध जोड़ना।
  2. हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाओं के उद्भव और विकासक्रम से अवगत कराना।
- **पाठ्यक्रम की फलश्रुति (Outcome) :**
  1. छात्र भारतीय मूल्यों के साथ, परंपरा के साथ हिंदी साहित्य को जोड़ पायेंगे।
  2. हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाओं की विकास-यात्रा से अवगत हो पायेंगे।

इकाई (Unit)	पाठ्यक्रम	
1	**भारतेंदु और द्विवेदी युग**	
	1	भारतेंदुयुगीन काव्य-प्रवृत्तियाँ
	2	द्विवेदीयुगीन काव्य-प्रवृत्तियाँ
	3	यशोधरा - मैथिलीशरण गुप्त (कृति परिचय)
2	**छायावाद और प्रगतिवाद**	
	1	छायावाद : काव्य-प्रवृत्तियाँ
	2	प्रगतिवाद : काव्य-प्रवृत्तियाँ
	3	आंसू, जयशंकर प्रसाद (कृति परिचय)
3	**हिंदी कहानी एवं नाटक**	
	1	कहानी : उद्भव और विकास
	2	नाटक : उद्भव और विकास
	3	कोणार्क, जगदीशचंद्र माथुर (कृति परिचय)
4	**निबंध और आलोचना**	
	1	निबंध : उद्भव और विकास
	2	आलोचना : उद्भव और विकास
	3	चिंतामणि, भाग -1, रामचंद्र शुक्ल (कृति परिचय)

- **सहायक संदर्भ ग्रंथ :**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, आ. रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।

2. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा, नंददुलारे बाजपेयी, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. आधुनिक हिंदी साहित्य : विविध परिप्रेक्ष्य, डॉ. राजेन्द्र परमार, उत्कर्ष पब्लिकेशन्स, कानपुर।

6. यशोधरा, मैथिलीशरण गुप्त, डायमंड बुक्स, नई दिल्ली।

7. आंसू, जयशंकर प्रसाद, भारती-भण्डार, प्रयाग।

8. कोणार्क, जगदीशचन्द्र माथुर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

9. चिंतामणि-भाग-1, रामचंद्र शुक्ल, इंडियन प्रेस, प्रयाग।

10. https://gurukulmahilacollege.com/wp-content/uploads/2019/03/Dr.-Shanti-K.-Modhwadiya.pdf

11. https://www.evidyarthi.in/wp-content/uploads/2023/03/mp-board-class-11-chapter-8-hindi-swati-gadya-khand-book.pdf

B.A (Honours) HINDI SEMESTER: 6

Programme/Class : Degree	Year : Third	Semester : Six
SUBJECT : HINDI		
Course Code : DSC-C HIN- 363	Course Title : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार लेखन	
Course Credit : 4	Course Type : MAJOR - 3	
Teaching Hours : 60 (Hours)	Total Marks : 100 (50 + 50)	
Teaching Methodology : Lecture & Demonstration		

- **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objective) :**
  1. पत्रकारिता के इतिहास का परिचय देना।
  2. जनसंचार माध्यमों से अवगत कराना।

- **पाठ्यक्रम की फलश्रुति (Outcome) :**
  1. छात्र पत्रकारिता और हिंदी पत्रकारिता के इतिहास से परिचित होंगे।
  2. छात्र प्रमुख संचार माध्यमों की जानकारी प्राप्त कर पायेंगे।

इकाई (Unit)	पाठ्यक्रम	
1	**पत्रकारिता का स्वरूप**	
	1	पत्रकारिता : अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ
	2	पत्रकारिता के विभिन्न रूप (प्रकार)
	3	हिंदी पत्रकारिता का प्रारंभ और विकासयात्रा
2	**समाचार लेखन एवं विज्ञापन**	
	1	समाचार की परिभाषा और उसके प्रकार
	2	समाचार के विभिन्न स्रोत
	3	विज्ञापन की परिभाषा, विज्ञापन के लाभ एवं हानि
3	**जनसंचार माध्यम**	
	1	जनसंचार माध्यम : परिभाषा और तत्त्व
	2	जनसंचार माध्यम का कार्य और महत्त्व
	3	जनसंचार की प्रक्रिया
4	**मीडिया लेखन**	
	1	रेडियो : उपयोगिता, लोकप्रियता, विभिन्न कार्यक्रम
	2	अखबार : महत्त्व, उद्देश्य, उपयोगिता
	3	टेलीविजन : समाचार, धारावाहिक तथा विज्ञापन

- **सहायक संदर्भ ग्रंथ :**

1. जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता, डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. जनसंचार एवं पत्रकारिता, प्रो. रमेश जैन,
3. पत्रकारिता : विविध विधाएँ, डॉ. राजकुमारी रानी,

4. हिंदी पत्रकारिता का नया स्वरूप, डॉ. बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

5. हिंदी पत्रकारिता और विविध आयाम, डॉ. सुशीला जोशी, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

6. पत्रकारिता के विविध आयाम, डॉ. दीनानाथ साहनी, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना।

7. पत्रकारिता प्रशिक्षण, डॉ. रामगोपालसिंह जादौन, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद।

8. हिंदी पत्रकारिता : इतिहास एवं संरचना, प्रो. रमेश जैन, पॉइंटर पब्लिशर्स।

9.http://dspace.hmlibrary.ac.in:8080/jspui/bitstream/123456789/3996/7/7.%20Chapter%201.pdf